

सुदूर जनजातीय गाँवों में इंटरनेट (VSAT)

स्रोत: द हिंदू

हाल ही में जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने झारखंड, मध्य प्रदेश, ओडिशा और महाराष्ट्र के लगभग 80 आदिवासी गाँवों के लिये पायलट आधार पर V-SAT (वेरी स्माल एपर्चर टर्मिनल) स्टेशन तैनात करने के लिये [भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन](#) के साथ सहयोग करने की योजना बनाई है।

- इस पहल का उद्देश्य भौगोलिक रूप से दूरदराज़ के आदिवासी गाँवों को इंटरनेट सेवाएँ प्रदान करना है, जो चुनौतीपूर्ण इलाके के कारण ऐतिहासिक रूप से मुश्किल रहे हैं। यह ई-गवर्नेंस की सुविधा प्रदान करेगा और दूरदराज़ के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी में सुधार करेगा।
- इसके अलावा मंत्रालय ने एम्स दिल्ली, [आईआईटी दिल्ली](#), आईआईएम कलकत्ता और आईआईएससी बंगलुरु जैसे संस्थानों के साथ साझेदारी के प्रस्तावों पर भी चर्चा की।
 - एम्स दिल्ली के साथ साझेदारी में जनजातीय स्वास्थ्य मुद्दों, विशेष रूप से [सकिल सेल एनीमिया](#) पर उन्नत शोध करना शामिल है।
 - इसके अतिरिक्त, जनजातीय छात्रों को [अर्धचालक](#) पर पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिये बंगलुरु में [भारतीय वजिज्ञान संस्थान](#) के साथ एक प्रशिक्षण सुविधा स्थापित करने की भी योजना है।

और पढ़ें: [भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन](#)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/internet-in-remote-tribal-villages-vsats>